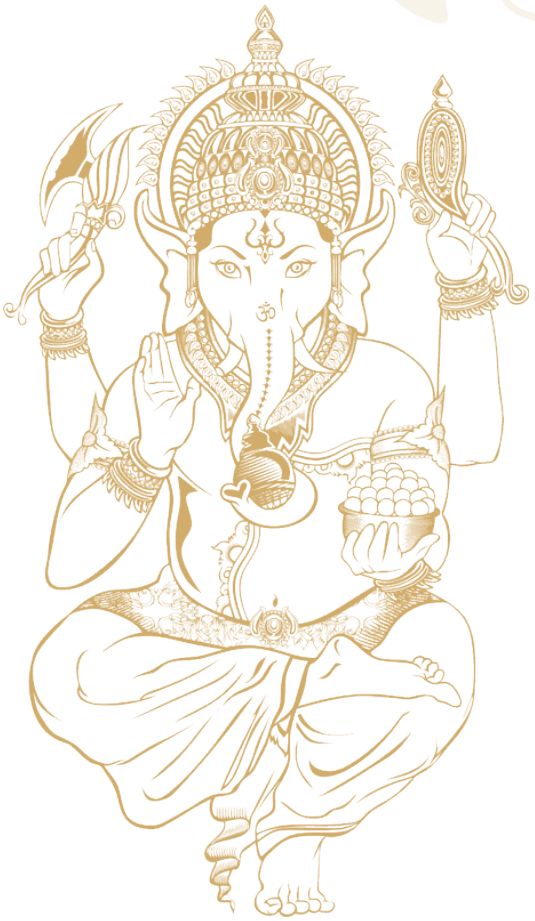

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/02/1991	जन्म तिथि	27/09/1992
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 01:10:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 45:39:39	जन्म समय(घटी)	41:59:38 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:08	सूर्योदय	06:13:13
18:16:21	सूर्यास्त	18:12:29
23:44:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:37

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 1वर्ष 6मा 17दि		10:33:34	वृश्चि	लग्न	मिथु	06:34:16	मंगल 4वर्ष 1मा 7दि	
गुरु		09:56:41	कुंभ	सूर्य	कन्या	11:05:34	गुरु	
10/09/2017		21:16:11	वृष	चंद्र	कन्या	28:51:06	05/11/2014	
10/09/2033		17:14:53	वृष	मंगल	मिथु	14:39:38	05/11/2030	
गुरु	29/10/2019	03:58:25	कुंभ	बुध	कन्या	20:51:54	गुरु	23/12/2016
शनि	12/05/2022	11:46:47	कर्क व	गुरु	कन्या	03:29:50	शनि	06/07/2019
बुध	17/08/2024	06:48:31	मीन	शुक्र	तुला	09:23:54	बुध	11/10/2021
केतु	23/07/2025	08:03:08	मक	शनि व	मक	18:20:22	केतु	17/09/2022
शुक्र	23/03/2028	03:45:28	मक	राहु व	धनु	01:15:44	शुक्र	18/05/2025
सूर्य	10/01/2029	03:45:28	कर्क	केतु व	मिथु	01:15:44	सूर्य	06/03/2026
चन्द्र	12/05/2030	18:50:59	धनु	हर्ष	धनु	20:17:36	चन्द्र	06/07/2027
मंगल	18/04/2031	22:13:01	धनु	नेप	धनु	22:25:14	मंगल	11/06/2028
राहु	10/09/2033	26:38:21	तुला व	प्लूटो	तुला	27:19:47	राहु	05/11/2030

लग्न-चलित

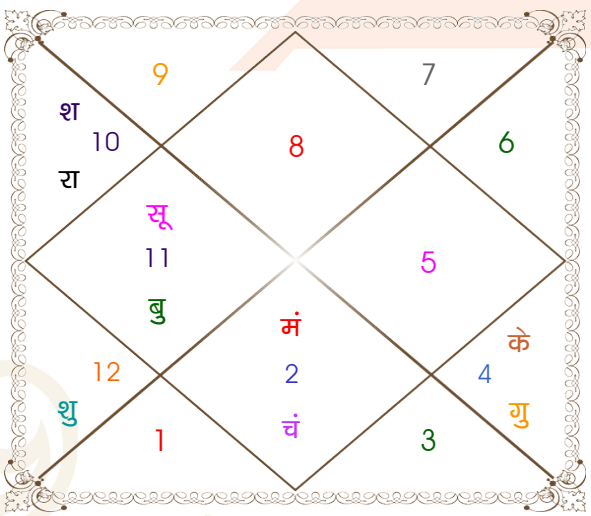

लग्न-चलित

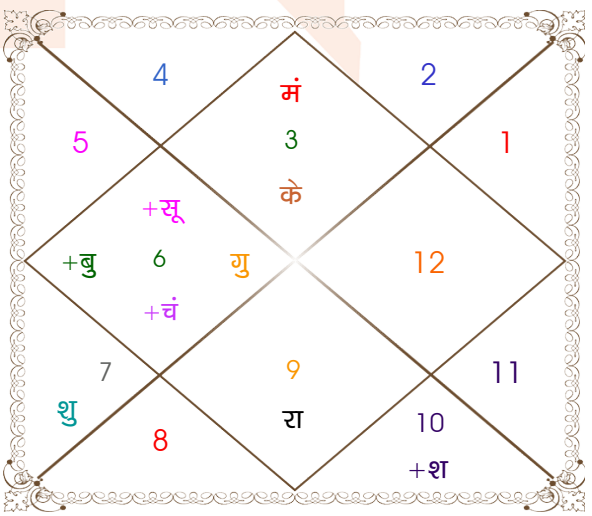

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।